हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 148 देहरादून, बुधवार, 30 नवंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

...तो फरवरी तक विधानसभा को मिल जाएगा स्थायी सचिव 3

विस सत्र के पहले दिन फ्रंटफुट पर यशपाल आर्य, निशाने पर महाराज

विधान सभा सत्र से आशीष तिवारी की विशेष रिपोर्ट - न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 नवम्बर , उत्तराखंड विधान सभा का देहरादून में सत्र शुरू हो गया है। पहले दिन के पहले कुछ मिनटों में ही दिग्गज प्रतिपक्ष नेता और विपक्ष के सबसे अनुभवी विधायक पूर्व मंत्री यशपाल आर्य और प्रीतम सिंह ने प्रश्नकाल शुरु होते ही धामी सरकार पर तगड़ा पलटवार किया है। नेता प्रतिपक्ष ने अध्यक्ष से मांग की कि, ''कार्य सूची में देखने से पता चला है कि विधायक सुमित हृदयेश और विधायक मयूख महर के लोक निर्माण विभाग से संबधित दो प्रश्न स्थगित कर दिए है।''उन्होंने कहा कि इन प्रश्नों को केन्द्रीय विषय होने के आधार पर निरस्त किया गया है। इसके लिए यह कारण बताया गया है। उन्होंने कहा कि , अध्यक्ष सड़क और परिवहन केन्द्रीय सूची के विषय नहीं बल्कि समवर्ती सूची का विषय है मतलब ये कि सड़क के मामले में केन्द्र और सरकार की जिम्मेदारी होती है।

सदन में स्तर के पहले दिन फ्रंट फुट पर ज़ोरदार पारी का आगाज़ करते हुए आर्य ने कहा कि राज्य में इन सड़कों में से अधिकांश की निर्माण और रख-रखाव हमारे विभागों से किया जा रहा है और उन्हें केन्द्रीय विषय कहा जा रहा है। कल तो विभाग ये भी कहने लगेंगे कि केन्द्र पोषित योजनाओं के जबाब भी नहीं देंगे । नेता प्रतिपक्ष आर्य मंत्री सतपाल महाराज के जबाब से सन्तुष्ठ नहीं हुए। इस पर वरिष्ठ भाजपा विधायक मुन्ना सिंह बीच बचाव किया और कहा कि , यहां चर्चा के बजाय विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष में चर्चा की जा सकती है। इस पर कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक प्रीतम सिंह और नेता प्रतिपक्ष ने आपत्ति व्यक्त की।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बहाने बना कर प्रश्नों का जबाब न देने की इस प्रवृत्ति पर रोक लगानी होगी। उन्होने पीठ से विभागों को निर्देशित करने और आदेशित करने की मांग करते हुए विभागों को कठोर चेतावनी भी देने का निवेदन किया ताकि भविष्य में कोई अन्य विभाग प्रश्नों से बचने के लिए ऐसी कोशिश न कर सके।

सदन में महाराज की यॉर्कर से क्लीन बोल्ड हुआ विपक्ष, परफेक्ट तयारी का दिखा असर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 नवम्बर , विधानसभा के तृतीय सत्र के प्रथम दिन विपक्ष द्वारा प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण,मंत्री सतपाल महाराज को सदन में घेरने की रणनीति पूरी तरह से फेल हो गयी। विधानसभा के तृतीय सत्र के प्रथम दिन मंगलवार को विपक्ष के प्रश्नों की धार को कुन्द करने के लिए प्रदेश के सीनियर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज पूरी तैयारी के साथ सदन में पहुंचे।

प्रश्नकाल के दौरान उन्होने सदन में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य सहित विपक्षी सदस्यों मयूख महर, फुरकान अहमद, विरेन्द्र कुमार, संजय डोभाल, सुमित हृदयेश, विक्रम सिंह नेगी और प्रीतम सिंह द्वारा प्रश्नकाल के दौरान पर्यटन, लोक निर्माण और सिंचाई विभागों से संबंधित पूछे गए सभी प्रश्नों के बडी बेबाकी से सटीक और सकारात्मक उत्तर दिये। विपक्ष द्वारा लगातार प्रश्नों की बौछार के बाद भी वह सभी का सटीक उत्तर देकर विपक्षी सदस्यों को संतुष्ट करते दिखाई दिए।

सवालों के उत्तर सुनकर विपक्ष द्वारा उन्हे सदन में घेरने की रणनीति इस बार पूरी तरह से फेल रही।विपक्ष की ओर विधानसभा सदस्य मयूख महर ने पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज से जानना चाहा कि पिथौरागढ़ में पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु जिस टयूलिप गार्डन का निर्माण कराया गया था उसकी वर्तमान में क्या स्थिति है। गार्डन को बनाने में कुल कितना धन व्यय किया गया और ट्यूलिप पुष्प की पौध कहां से मंगाई गई। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने सदन को अवगत कराया कि पिथौरागढ़ के मोस्टमानू में टयूलिप गार्डन प्रस्तावित किया गया था। मोस्टमानू मंदिर एवं पशुपतिनाथ मंदिर में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 25,000 टयूलिप बल्ब रोपित किए गए थे जिनका कि वर्तमान में मंदिर समिति द्वारा उपयोग किया जा रहा है। टयूलिप बल्ब्स प्लांटेशन कुल 22,17,515 रुपए का व्यय किया गया।

ट्यूलिप बीज का उत्पादन स्थानीय स्तर पर ना होने के कारण तुलिप गार्डन को तैयार किए जाने पर उसके रखरखाव आदि पर अत्याधिक व्यय होना जैसी समस्याएं सामने आने के कारण इसका क्रियान्वयन नहीं किया जा सकता है।लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने सदस्य मयूख महर के चंद्रभागा नदी के ऊपरी भाग में विभाग द्वारा बनाए गए 18 मीटर स्पान पुल के निचले भाग में वर्षा ऋतु में अत्यधिक वर्षा के कारण मोटर मार्ग बहने की समस्या का उत्तर देते हुए बताया कि इस प्रकार की समस्या बेहद गंभीर है। इस स्थान पर स्पान सेतु का निर्माण किया गया है जिस पर वर्तमान में आवागमन सुचारू रूप से चल रहा है। इस मार्ग पर स्पान आरसीसी पुलिया के निर्माण की स्वीकृति जिला योजना के अंतर्गत प्रदान की गई है।

विधानसभा सदस्य फुरकान अहमद द्वारा होमस्टे से संबंधित पंजीकरण और उसके लाभ एवं शर्तों के विषय में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने सदन को अवगत कराया कि उत्तराखंड ग्रह आवास नियमावली के तहत कोई भी भवन स्वामी अपने परिवार के साथ भौतिक रूप से निवास कर रहा हो, वह व्यक्ति अपने भवन का होमस्टे योजना के अंतर्गत पंजीकरण करा सकता है, जिसमें न्यूनतम 1 कक्ष एवं अधिकतम 6 कक्ष पर्यटकों हेतु पंजीकरण करा सकते हैं।फुरकान अहमद द्वारा पिरान कलियर में रामपुर चुंगी मंडी से ग्राम नागल होते हुए पिरान कलियर पर बाईपास सड़क एवं 300 मीटर सेतु निर्माण कराए जाने और किसानों की अधिग्रहित भूमि के मुआवजे की धनराशि अभी तक न दिए जाने के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने अवगत कराया कि पिरान कलियर बाईपास सड़क एवं 300 मीटर स्पान सेतु के निर्माण में स्वीकृत परियोजना में प्रतिकर भुगतान हेतु चिन्हित धनराशि 525.62 लाख रुपये में से वर्तमान में 446.55 लाख के प्रतिकर का भुगतान प्रभावितों को कर दिया गया है। शेष भुगतान की कार्यवाही विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी हरिद्वार के माध्यम से की जा रही है।कृषि क्षेत्र को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से इकबालपुर नहर परियोजना से क्षेत्रवासियों को अति शीघ्र लाभ दिलाने हेतु विधानसभा सदस्य वीरेंद्र कुमार द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि इस संबंध में उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के मुख्य सचिव स्तरीय संयुक्त बैठक में निर्णय लिया गया था कि 665 क्यूसेक जल उत्तराखंड को उपलब्ध कराएं जाने हेतु फीजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करा कर प्रमुख अभियंता सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश को उपलब्ध कराई गई। इस संबंध में लगातार उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग से अनुरोध किया जा रहा है। इसके अलावा अन्य वैकल्पिक माध्यमों पर भी कार्यवाही प्रस्तावित है। इसके अलावा सदस्यों द्वारा पूछे गए अन्य प्रश्नों का सतपाल महाराज ने सटीक उत्तर देते हुए विपक्षी सदस्यों को निरुत्तर कर दिया।

कहीं आपकी मिठास नकली तो नहीं, तुरंत जाँच कीजिये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 नवम्बर , मीठे स्वाद से शुभ काम शुरू किया जाता है। बातों में ही नहीं जुबां पर मिठास घुलते ही बिगड़े काम बन जाते हैं। लेकिन इसी मिठास में अगर मिलावट का ज़हर घुल जाये तो ज़िंदगी बेस्वाद हो सकती है। हर स्वाद में मिठास घोलने के लिए एक ही चीज़ इस्तेमाल होती है और वो है चमचमाती चीनी के सफ़ेद दाने .... चीनी (Sugar) हमारे आहार का बेहद ख़ास हिस्सा है। लगभग हर कोई हर जगह दैनिक रूप से चीनी का सेवन करता है।

मिलावाखोरों ने हर वस्तुओं में जब मिलावट से खानपान को ज़हरीला बना दिया है तो फिर चीनी कैसे बच सकती है। आज के समय में करीब-करीब हर चीज में मिलावट देखने को मिल रही है, जिसमें चीनी भी आज शामिल हैं। मिलावटी चीनी खाने से आपका स्वास्थ्य (Health) खराब हो सकता है। ऐसे में आज हमको बताएंगे कि कैसे आप चीनी में मिलावट कर सकते हैं।

ऐसे करें असली चीनी की पहचान

आजकल चीनी में यूरिया मिलाकर भी उसकी मिलावट की जा रही है। ऐसे में आपको इसे चेक करने के लिए सबसे पहले अपनी हथेलियों में थोड़ी सी चीनी लेकर उसे रगड़ना होगा। इसके बाद उस चीनी को सूंघे। अगर चीनी में मिलावट होगी तो उससे एमोनिया की गंध आएगी।इसके अलावा चीनी को चेक करने का एक और तरीका है कि आप थोड़ी सी चीनी को पानी में मिलाएं। चीनी को पानी में मिलाने के बाद अब इसे सूंघे। सूंघने पर आपको एमोनिया की गंध आएगी, जिसका मतलब है कि चीनी में यूरिया की मिलावट की गई है। अगर चीनी में मिलावट नहीं की गई होगी तो उसमें एमोनिया की गंध नहीं आएगी।

चीनी में मिलावट के लिए मिलावटखोर प्लास्टिक के कण भी मिक्स करते हैं। आपको ये चेक करने के लिए एक गिलास में चीनी और पानी को मिक्स कर लें। मिक्स करने के बाद करीब 5 मिनट बाद आपको इस छानें। अगर छानने के बाद चीनी में प्लास्टिक के कण मौजूद होंगे तो वह आपको दिखाई देंगे।चीनी के असली-नकली फर्क के लिए आप हाइड्रोक्लोरिक एसिड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। हाइड्रोक्लोरिक एसिड की मदद से आप असली चीनी की पहचान कर सकते हैं।

व्हाट्सएप्प ने शुरू किया 'मैसेज योरसेल्फ' फीचर जाने कैसे करें इसका इस्तेमाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मेटा के स्वामित्व वाले इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप व्हाट्सएप ने अब ₹मैसेज योरसेल्फ₹ नामक एक नया फीचर जोड़ा है, जो आपको नोट्स भेजने और बिना किसी वर्कअराउंड के रिमाइंडर बनाने की सुविधा देगा। इस फीचर से यूजर्स ऐप के अंदर मैसेज, पिक्चर, वीडियो और ऑडियो खुद के साथ शेयर कर सकेंगे।व्हाट्सएप मैसेज योरसेल्फ आईफोन और एंड्रॉइड स्मार्टफोन दोनों उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध होगा, और कंपनी ने पुष्टि की है कि आने वाले हफ्तों में यह सुविधा प्रत्येक व्हाट्सएप उपयोगकर्ता के लिए शुरू हो जाएगी, इसलिए, आपको मैसेज योरसेल्फ का उपयोग करने के लिए कुछ दिनों तक इंतजार करना पड़ सकता है। आपके स्मार्टफोन पर सुविधा।

व्हाट्सएप मैसेज योरसेल्फ फीचर का उपयोग कैसे करें?

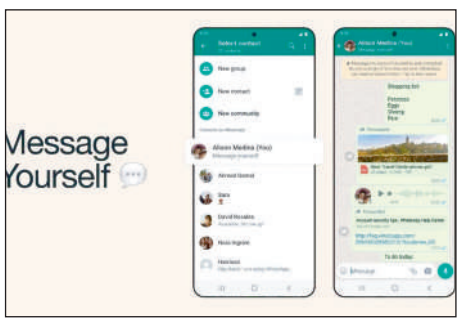

व्हाट्सएप पर मैसेज योरसेल्फ फीचर प्राप्त करने के लिए, अपने ऐप को अपडेट करना सुनिश्चित करें। अपडेटेड व्हाट्सऐप ऐप खोलें, क्रिएट अ न्यू चैट पर क्लिक करें और आप कॉन्टैक्ट्स से अपना खुद का नंबर देख पाएंगे। अंत में, अपना नंबर चुनें और मैसेज करना शुरू करें।इस फीचर से यूजर्स अपने साथ नोट्स शेयर कर सकेंगे और ऐप के भीतर अन्य चैट्स से कोई मैसेज या मल्टीमीडिया फाइल भी फॉरवर्ड कर सकेंगे। आप वॉयस नोट्स भी रिकॉर्ड कर सकते हैं और व्हाट्सएप पर फोटो क्लिक कर सकते हैं और उन्हें अपने लिए रख सकते हैं।यह उन लोगों के लिए एक निफ्टी फीचर है जो व्हाट्सएप को नोट लेने वाले ऐप के रूप में इस्तेमाल करते हैं। जैसा कि व्हाट्सएप डेस्कटॉप और वेब पर भी काम करता है, उपयोगकर्ता इन संदेशों को सभी कनेक्टेड डिवाइस पर भी देख पाएंगे। व्हाट्सएप को आने वाले दिनों में वॉयस स्टेटस, वेब पर वॉयस कॉल और अन्य जैसी सुविधाएं भी मिलने की उम्मीद है।

ठंड के मौसम में यह सूप बहुत मददगार होगा, इससे गले की खराश और साइनस हो जाएंगे दूर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साइनस एक दर्दनाक स्थिति है जो तब उत्पन्न होती है जब नाक के मार्ग के पास गुहा सूजन हो जाती है। इससे लगातार सिरदर्द, चेहरे पर सूजन, बुखार, खांसी और सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। सर्दियां आ गए हैं, लोग बंद नाक, गले में खराश और साइनोसाइटिस के शिकार हो रहे हैं।डरें नहीं क्योंकि हमारे पास एक त्वरित प्राकृतिक उपचार है जो आपको ठीक कर सकता है। साइनस सुखदायक फूलगोभी सूप₹ जो आपको अंदर से गर्म करेगा, आपके गले में खराश से राहत देगा, आपके साइनस को खोलेगा और आपको स्वतंत्र रूप से सांस लेने की अनुमति देगा।

सूप के फायदे

फूलगोभी के फायदों के बारे में बताए तो इसमें ₹मूत्रवर्धक और स्वेदजनक गुण₹ होते हैं जो शरीर से अतिरिक्त तरल पदार्थ को निकालने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दूसरी ओर, अदरक एक महत्वपूर्ण घटक है क्योंकि यह ₹सर्दी, बलगम, खांसी, साइनस और ब्रोन्कियल संक्रमण₹ से लड़ने में मदद कर सकता है।₹अदरक बस चीजों को प्रवाहित और गतिमान करता है, गर्म करता है और बलगम के स्राव को पतला रखता है। विशेषज्ञ द्वारा सूचीबद्ध अदरक के अन्य लाभ यह हैं कि ₹यह एक एंटीऑक्सिडेंट है जो सूजन को शांत करने में मदद करता है, जिससे सूजन और दर्द कम होता है।₹

आप भी बन सकते हैं गेमर कमाई करोड़ों में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 नवम्बर , एचपी इंडिया गेमिंग लैंडस्केप स्टडी 2022 के मुताबिक, भारतीय गेमर्स ने गेमिंग में करियर बनाने की इच्छा जतायी है। इस अध्ययन के लिए देश के 14 शहरों से करीब 2000 प्रतिभागियों को चुना गया था जिन्होंने बताया कि गेमिंग से अच्छी आमदनी कमाने के साथ-साथ मल्टीपल करियर विकल्पों की उपलब्धता के चलते गेमर्स इसे पसंद कर रहे हैं। भारत में एचपी की गेमिंग स्टडी के इस दूसरे संस्करण में, पीसी को गेमिंग के लिए सबसे पसंदीदा डिवाइस बताया गया है। 68% गेमर्स ने पीसी को पहली पसंद बताया क्योंकि इससे बेहतर प्रोसेसर्स, डिजाइन और ग्राफिक्स के रूप में लाभ मिलता है और इमर्सिव डिस्प्ले भी अनुभव बेहतर बनाते हैं।

करियर विकल्प के तौर पर गेमिंग

इस अध्यन के अनुसार, करीब गंभीर किस्म के दो-तिहाई गेमर्स ने गेमिंग को फुल-टाइम या पार्ट-टाइम करियर के तौर पर आजमाने की मंशा जतायी है। गेमर्स के इस ओर झुकाव का एक और कारण है कि वे अपने शौक को करियर में बदलने की संभावना भी टटोलना चाहते हैं। गेमिंग को मनोरंजन तथा रिलैक्सेशन (92%), मानसिक सक्रियता बढ़ाने (58%) और सोशलाइज़िंग (52%) के स्रोत के रूप में भी देखा जाता है। भारत में गेमिंग इंडस्ट्री के विकास से भारतीय गेमर्स को इस क्षेत्र में करियर संवारने के विभिन्न अवसरों को टटोलने का अवसर मिल रहा है। हालांकि गेमर बनना सर्वोच्च पसंद है, वहीं इंफ्लुएंसर या गेमिंग सॉफ्टवेयर डेवलपर के तौर पर भी करियर बनाने की इच्छा जताने वाले बहुत से लोग हैं।

एचपी इंडिया मार्केट ने कहा, ₹भारत में जैसे-जैसे गेमिंग इंडस्ट्री आगे बढ़ रही है, उसके चलते गेमिंग को एक करियर विकल्प के तौर पर देखा जाने लगा है। देश के पीसी गेमिंग लैंडस्केप में युवाओं के लिए जबर्दस्त अवसर मौजूद हैं एचपी में हम गेमर्स को OMEN कम्युनिटी पहल के जरिए, जानकारी, साधन तथा अवसर उपलब्ध कराने और अपस्किल बनाने के उनके सफर में सहयोग कर उन्हें आगे बढ़ने का मौका देना चाहते हैं।एक्सपर्ट ने बताया कि ₹पीसी गेमिंग को ज्यादा पसंद किया जाना हमारे लिए शानदार बिज़नेस अवसर है। हम यूज़र इन्साइट्स के आधार पर सर्वश्रेष्ठ अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि भारत में गेमिंग का संपूर्ण और उन्नत गेमिंग इकोसिस्टम तैयार हो सके।"

वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने रखा प्रथम अनुपूरक बजट

सभी वर्ग को ध्यान में रखते हुए सबका साथ सबका विकास के अंतर्गत सदन में प्रस्तुत किया प्रथम अनुपूरक बजट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

*देहरादून 30 नवंबर ,वित्त व संसदीय कार्य मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने शीतकालीन विधानसभा सत्र के प्रथम दिन पहला अनुपूरक बजट 2022-23 पेश किया ।मंगलवार को सदन में प्रथम अनुपूरक बजट 2022-23 पेश करते हुए वित्त व संसदीय कार्य मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने बताया कि 2022-23 का मूल बजट 65 हजार 571 करोड़ का था। मुख्यतः मूल बजट के उपरान्त कुछ केन्द्रपोषित योजनाओं में केन्द्र सरकार से धनावंटन होने अथवा धनावंटन की प्रत्याशा के कारण तद्विषयक धनराशि का समावेश करने हेतु वचनबद्ध मदों में वर्ष के शेष माहों में धनराशि कम पड़ने की सम्भावना के दृष्टिगत राज्य अकस्मिकता निधि से स्वीकृत अग्रिमों की प्रतिपूर्ति करने तथा कुछ नई योजनाओं के कारण अनुपूरक बजट की आवश्यकता हुई है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि 5440.43 करोड़ रुपए के इस अनुपूरक बजट में लगभग रू0 3226.46 करोड़ मतदेय तथा 2213.97 करोड़ भारित से संबंधित प्रावधान है। भारित के अन्तर्गत पूंजीगत मद में वेज एण्ड मीन्स एडवांस (WMA) तथा ऋणों का भुगतान तथा राजस्व मद में श्री राज्यपाल के कार्यालय, ऋण शोधन निधि तथा न्याय प्रशासन से संबंधित योजना है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि केन्द्र पोषित योजनाओं हेतु लगभग रू0 727 करोड़ के केन्द्रांश तथा लगभग रू0 301 करोड़ राज्यांश सहित कुल लगभग रू0 1028 करोड़ का प्रावधान है।

वाह्य सहायतित परियोजनाओं हेतु लगभग रू0 106 करोड तथा नाबार्ड से सम्बन्धित योजनाओं हेतु लगभग रू0 40 करोड का प्रावधान है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि अनुपूरक बजट में लगभग रू0 2276.43 करोड़ राजस्व मद से संबंधित तथा रू0 3164 करोड़ पूँजीगत मद से संबंधित है। राजस्व की प्रमुख मद वेतन पारिश्रमिक पेंशन व अन्य सेवानिवृत्तिक लाभ, उपयोगिता बिल, सामाजिक पेंशन एवं अनुरक्षण आदि है जबकि पूंजीगत के अन्तर्गत प्रमुखतः बृहद निर्माण एवं वेज एण्ड मीन्स एडवांस (WMA) सम्मिलित है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि अनुपूरक बजट में लगभग 60 प्रतिशत धनराशि संसाधन सम्बद्ध (Resource linked) है।

संसाधन सम्बद्ध योजनाओं में संसाधन सुनिश्चित होते है तथा उपलब्ध संसाधनों से ही व्यय होता है। केन्द्रपोषित योजना तथा वेज एण्ड मीन्स एडवांस (WMA) को रिसोर्स लिंक्ड कहा जा

सकता है। उन्होंने बताया कि शेष लगभग 40 प्रतिशत धनराशि का व्यय मूल बजट में अनुमानित मुख्यतः वेतन आदि के सापेक्ष हो रही बचत से है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि प्रमुख राजस्व मदों में वेतन आदि मद में लगभग रू0 160 करोड़ तथा मजदूरी हेतु लगभग रू0 114 करोड़, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन की मद में लगभग रू0 230 करोड़ का प्राविधान किया गया। है। सामाजिक सुरक्षा से सम्बन्धित पेंशन हेतु लगभग रू0 58 करोड़ का प्राविधान किया गया है। राज्य आन्दोलनकारी पेंशन मद में लगभग रू0 20 करोड़ का अतिरिक्त प्राविधान किया गया है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि हमारी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं अंत्योदय की भावना से प्रेरित होकर सामाजिक कल्याण की योजनाओं हेतु यथाआवश्यकता व विभागीय मांग के अनुरूप प्राविधान किया है।

सामाजिक सुरक्षा के अन्तर्गत वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, तीलू रौतेली पेंशन, निराश्रित विधवा पेंशन, परित्यक्त / निराश्रित महिला किसान पेंशन आदि विभिन्न पेंशन योजनाओं हेतु कुल मिलाकर लगभग रुपये 58 करोड़ की धनराशि का प्राविधान किया जा रहा है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि देश की रक्षा के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए हमारे सैनिक भाई सदैव तैयार रहते है। उनके आवागमन को सुगम बनाने के लिए विभिन्न सैन्य विश्राम गृहों के अनुरक्षण हेतु भी समुचित प्राविधान किये गये है। इसी प्रकार सैनिक कल्याण से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की पेंशन व पुरस्कार हेतु प्रावधान किये गये है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि जनकल्याण की भावना के साथ महिला एवं बाल विकास हेतु विभिन्न योजनाओं में आवश्यक प्राविधान किया गया है। नंदा गौरा योजना हेतु लगभग रू0 131 करोड़ मुख्यमंत्री बाल पोषण अभियान के तहत रू0 13 करोड मुख्यमंत्री वात्सल्य योजनान्तर्गत रु0 18 करोड़ का प्राविधान किया जा रहा है।

चिकित्सा व उपचार हेतु अटल आयुष्मान योजना के अन्तर्गत रु० 151 करोड़ का अतिरिक्त प्राविधान किया जा रहा है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि युवा कल्याण हेतु न केवल स्टाइफण्ड / छात्रवृति हेतु प्राविधान किया गया है अपितु स्टेडियम निर्माण आदि के लिए आवश्यक प्राविधान किये गये है। लेब ऑन व्हील्स, सांइस सिटी आदि के क्षेत्र में प्रावधान करके भी युवाओं के उज्वल भविष्य के मार्ग को प्रशस्त करने का प्रयास किया गया है। एन०डी०ए० में चयनित छात्रों को पुरस्कार एवं संघ लोक सेवा आयोग एवं उत्तराखण्ड राज्य लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षाओं की कोचिंग हेतु मेधावी छात्र / छात्राओं को विशेष आर्थिक सहायता हेतु समुचित प्रावधान किये गये है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि पत्रकार कल्याण कोष की स्थापना के लिये रू0 1.50 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि हम पूँजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन के लिए प्रयत्नशील है। इसी क्रम में इस अनुपूरक मांग में अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना हेतु लगभग रू0 350 करोड़, लोक निर्माण विभाग में रू० 220 करोड़, शहरी विकास के क्षेत्र में लगभग रुपये 210 करोड़, पेयजल क्षेत्र में लगभग रूपये 130 करोड़, न्याय प्रशासन क्षेत्र में लगभग रूपये 56 करोड़, खेल और युवा कल्याण क्षेत्र में लगभग रूपये 40 करोड़ कृषि के क्षेत्र में लगभग रूपये 17 करोड़, पशुपालन के क्षेत्र में लगभग रू0 20 करोड़, चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में लगभग रूपये 10 करोड़, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लगभग रूपये 4 करोड़ को सम्मिलित करते हुए इन विभागों सहित पूंजीगत परिव्यय (केपिटल आउटले) हेतु समग्र रूप से लगभग रूपये 1154 करोड़ का प्राविधान किया गया है। इस में अनुरक्षण की धनराशि सम्मिलित नहीं है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन से सम्बन्धित अधिकांश योजनाएं केन्द्रपोषित होने के कारण संसाधन सम्बद्ध है अर्थात सम्बन्धित योजनाओं में केन्द्र सरकार से धनराशि प्राप्त हो गयी है या प्राप्त होने की प्रत्याशा है।

वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि महालेखाकार द्वारा दिए गए परामर्श के अनुसार वेज एण्ड मीन्स एडवांस (WMA) हेतु पहली बार अनुपूरक के माध्यम से अतिरिक्त मांग की जा रही है। रू० दो हजार करोड़ का प्रस्ताव वेज एण्ड मीन्स एडवांस (WMA) के अंतर्गत है । वेज एण्ड मीन्स एडवांस (WMA) पूंजीगत मद है। ऐसा करते हुए न केवल महालेखाकार द्वारा दिये गये सुझावों का अनुपालन होगा अपितु राज्य के कैश फ्लो के प्रतिकूल होने की स्थिति में वेज एण्ड मीन्स एडवांस (WMA) एडवांस के अन्तर्गत पूर्व की अपेक्षा रू० दो हजार करोड़ अधिक धनराशि नितान्त अस्थाई व्यवस्था के अन्तर्गत रिजर्व बैंक से लिया जा सकेगा ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि कृषि व सहायक गतिविधियों के विकास हेतु राजस्व पूँजीगत दोनों मदों में प्राविधान किया गया है। कृषि विभाग के अन्तर्गत जल पम्प, स्प्रिंकलर सेट, पाली हाउस विधिकरण योजना हेतु लगभग रु० 30 करोड़, जलवायु अनुकूल बरानी कृषि परियोजना हेतु लगभग रू0 12 करोड़ का प्राविधान किया जा रहा है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए एम.एस.एम.ई. पॉलिसी से अपने उद्यमी भाईयों को लाभान्वित करने के लिए रू० 25 करोड़ का प्राविधान किया गया है।

वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि परिवहन के क्षेत्र में सुचारू सेवाओं हेतु उत्तराखण्ड परिवहन निगम को पर्वतीय क्षेत्रों में संचालन हो रहे नुकसान (हिल लॉस) को संज्ञान लिया गया है तथा लगभग रू0 20 करोड का प्रावधान किया गया है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि ग्राम्य विकास के अन्र्तगत मनरेगा हेतु लगभग रू0 191 करोड, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान हेतु लगभग रू0 48 करोड़ का प्राविधान किया जा रहा है ।वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि शहरी विकास हेतु मलिन बस्ती विकास / नगरीय अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु लगभग रू0 15 करोड़ स्मार्ट सिटी हेतु लगभग रू0 114 करोड़ तथा वाह्य सहायतित परियोजना नगरीय अवस्थापना का सुदृढीकरण हेतु लगभग रू0 81 करोड़ का प्रविधान किया गया है।

...तो फरवरी तक विधानसभा को मिल जाएगा स्थायी सचिव

रिपोर्टः एम. फ़हीम 'तन्हा'
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। विधानसभा का शीतकालीन सत्र प्रभारी सचिव की देखरेख में होगा, स्पीकर ऋतु खंडूरी ने कहा है कि हम जल्दी ही नए और स्थायी सचिव की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं, उम्मीद की जानी चाहिए कि फरवरी 2023 तक स्थायी सचिव की नियुक्ति हो जाएगी। इसके लिए नियम और कानून का अध्ययन करके नियमानुसार ही प्रक्रिया अपनाई जाएगी। स्पीकर ने स्पष्ट किया कि अभी वर्तमान में (उपसचिव) हेमचंद्र पंत को प्रभारी सचिव की जिम्मेदारी दी गई है, उन्ही की देखरेख में शीतकालीन सत्र होगा ।विधानसभा से 228 कर्मचारी निकाले जाने के बाद विधानसभा के सत्र संचालन में किसी प्रकार की दिक्कत आने के प्रश्न पर स्पीकर ने कहा कि हमारे पास जो स्टाफ है वो बहुत अनुभवी और कुशल है सदन संचालन में कोई दिक्कत नहीं आएगी। स्पीकर ने निकाले गए कर्मचारियों के मामले में कोई टिप्पणी करने से ये कहते हुए इंकार कर दिया कि मामला कोर्ट में है और वे सबजुडिस मामले में कोई टिप्पणी नहीं करेंगी। सोशल मीडिया पर तैर रहे चर्चित

एफीडेविट से भी उन्होंने इनकार किया है।

गौरतलब है कि , विधानसभा से निकाले गए 228 कर्मचारियों के बाद माहौल अभीतक गरमाया हुआ है। पिछले स्पीकरों के विशेषाधिकार से भर्ती इन 228 कर्मचारियों के मामले में अनियमितताओं और प्रक्रिया को लेकर पूर्व सचिव मुकेश सिंघल पर भी गाज गिरी हुई है। क्योंकि बैकडोर भर्ती के साथ-साथ पूर्व सचिव मुकेश सिंघल के मामले में भी विशेषाधिकार से तत्कालीन स्पीकर प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा प्रमोशन के मामला सुर्खियों में आया था। वर्तमान स्पीकर ऋतु खंडूरी ने मुकेश सिंघल को गैरसैण विधानसभा भवन अटैच कर दिया था। और वर्तमान में उपसचिव हेमचंद्र पंत को प्रभारी सचिव की जिम्मेदारी मिली हुई है।

स्पीकर ऋतु खंडूरी ने पूर्व सचिव मुकेश सिंघल के खिलाफ जांच के मामले में कहा है कि उनको नोटिस दिया गया है , नोटिस का जवाब आने के बाद ही आगे की कार्यवाही की प्रक्रिया पर विचार किया जाएगा।

भारतीय सैन्य अकादमी से इस बार पास आउट होंगे देश-विदेश के करीब 344 कैडेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

10 दिसंबर (शनिवार) को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) से देश-विदेश के करीब 344 जेंटलमैन कैडेट पास आउट होकर सैन्य अधिकारी बनेंगे। इनमें से 314 भारतीय सेना का हिस्सा बनेंगे। जबकि 30 विदेशी कैडेट हैं।

आईएमए में आगामी पासिंग आउट परेड को लेकर रैतिक पूर्वाभ्यास शुरू हो गया है। पीओपी में शामिल होने वाले मुख्य अतिथि का नाम अभी तक फाइनल नहीं हुआ है ।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जेंटलमैन कैडेट्स की अभी फाइनल सूची जारी नहीं की गई है। फाइनल सूची के अनुसार जेंटलमैन कैडेट की संख्या घट और बढ़ सकती है। इधर, आईएमए के चेटवुड बिल्डिंग के सामने कैडेट रोजाना सुबह और शाम को रैतिक पूर्वाभ्यास कर रहे हैं ।किस राज्य के कितने कैडेट्स इस बार पास आउट होंगे इसकी सूची अगले माह परेड से कुछ दिन पहले आईएमए द्वारा जारी की जाएगी। बता दें, आईएमए एक अक्टूबर 1932 को अस्तित्व में आया था। पिछले 90 वर्षों में अकादमी ने अपनी प्रशिक्षण क्षमता 40 से 1650 जैंटलमैन कैडेट तक बढ़ा दी है ।अभी तक 64,145 जैंटलमैन कैडेट अकादमी से पास आउट हो चुके हैं। इनमें 34 मित्र देशों के 2813 विदेशी कैडेट भी शामिल हैं।

इधर, दो दिसंबर को ग्रेजुएशन सेरेमनी, सात दिसंबर को कमांडेंट अवार्ड सेरेमनी आयोजित होगी। आठ दिसंबर की सुबह कमांडेंट परेड होगी। जबकि मुख्य पासिंग आउट परेड से एक दिन पहले यानि नौ दिसंबर को अकादमी में मल्टी एक्टिविटी डिस्पले शो आयोजित किया जाएगा।

बार-बार पेशाब आना हो सकता है इस बीमारी का लक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पेशाब करने की बार-बार आवश्यकता आम तौर पर अप्रिय होती है, और कभी-कभी यह एक गंभीर चिकित्सा समस्या का संकेत भी है। बार-बार पेशाब आना आपके काम, शौक, नींद और मूड में बाधा डाल सकता है, इसलिए अगर आपको इस बात की चिंता है कि आप कितनी बार और कितना पेशाब करते हैं तो अपने डॉक्टर से बात करना ज़रूरी है।

अधिकांश लोग बिना पेशाब किए रात भर सो सकते हैं, या केवल एक बार बाथरूम का उपयोग करने के लिए उठने की आवश्यकता होती है। जिन लोगों को रात में कई बार उठना पड़ता है, उन्हें नॉक्चुरिया नामक स्थिति हो सकती है। बार-बार पेशाब आना हमेशा किसी मेडिकल समस्या का संकेत नहीं होता है। कई वृद्ध पुरुषों और महिलाओं को लगता है कि उन्हें अधिक बार पेशाब करना पड़ता है क्योंकि मूत्राशय धीरे-धीरे अपनी धारण क्षमता खो देता है।यदि आप बहुत अधिक तरल पदार्थ पी रहे हैं, विशेष रूप से कैफीन या अल्कोहल वाले पेय में भी पेशाब अधिक बार आएगा। बार-बार पेशाब आना अक्सर उन बीमारियों के कारण होता है जो गुर्दे, मूत्राशय, मूत्रवाहिनी और मूत्रमार्ग सहित मूत्र पथ के कुछ हिस्सों को प्रभावित करती हैं। अन्य स्थितियां, जैसे मधुमेह, प्रोस्टेट की समस्याएं और गर्भावस्था भी बार-बार पेशाब आने के सामान्य कारण हैं।

बार-बार पेशाब आने के कारण क्या है?

बार-बार पेशाब आना अक्सर उन बीमारियों के कारण होता है जो गुर्दे, मूत्राशय, मूत्रवाहिनी और मूत्रमार्ग सहित मूत्र पथ के कुछ हिस्सों को प्रभावित करती हैं। अन्य स्थितियां, जैसे मधुमेह, प्रोस्टेट की समस्याएं और गर्भावस्था भी बार-बार पेशाब आने के सामान्य कारण हैं।

डायबिटीज

डायबिटीज बार-बार पेशाब आना अनियंत्रित टाइप 1 या टाइप 2 डायबिटीज का संकेत हो सकता है। जब मधुमेह नियंत्रित नहीं होता है, तो अतिरिक्त चीनी गुर्दे से मूत्र में अधिक तरल पदार्थ का कारण बनती है। अनियंत्रित मधुमेह बहुमूत्रता, या सामान्य से अधिक पेशाब का सबसे लगातार कारण है। अतिरिक्त संकेतों में अत्यधिक प्यास और भूख, वजन घटाने, थकान, दृष्टि की समस्याएं और मूड परिवर्तन शामिल हो सकते हैं।अगर आपको लगता है कि आपको मधुमेह हो सकता है, तो जितनी जल्दी हो सके अपने डॉक्टर से बात करना महत्वपूर्ण है। बार-बार पेशाब करने से निर्जलीकरण हो सकता है और गुर्दे की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं, मधुमेह केटोएसिडोसिस, या हाइपर सोलर कोमा, ऐसी स्थितियां जो

जीवन के लिए खतरा हो सकती हैं।

प्रोस्टेट समस्याएं

एक बढ़ी हुई प्रोस्टेट मूत्राशय के संकुचन का कारण बन सकती है और मूत्र प्रवाह को प्रभावित कर सकती है। सौम्य प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया के रूप में भी जाना जाता है, एक गैर-कैंसरयुक्त बढ़े हुए प्रोस्टेट 50 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों में बार-बार पेशाब आने का सबसे आम कारण है। अतिरिक्त लक्षणों में पेशाब करने में कठिनाई, पेशाब का टपकना, रात में पेशाब करने के लिए बार-बार उठना और पेशाब करने की भावना शामिल हो सकती है। अधूरा।

गर्भावस्था

गर्भावस्था के दौरान बार-बार पेशाब आना किसी चिकित्सा समस्या का संकेत नहीं है, और यह आमतौर पर गर्भावस्था के आखिरी कुछ महीनों के दौरान होता है। एक बढ़ता हुआ गर्भाशय और भ्रूण मूत्राशय पर दबाव डालता है, जिसे अधिक बार खाली करना पड़ता है। इससे छींक या खांसी के दौरान मूत्र का रिसाव भी हो सकता है। गर्भवती महिलाओं को यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का भी खतरा होता है।

अगर आप ड्रोन लेने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके काम की है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

डीजेआई मावि‍क 3, मविक 3 सिने, मविक 3 एंटरप्राइज और मावि‍क 3 क्लासिक के बाद, डीजेआई मविक ड्रोन परिवार में एक नया सदस्य जोड़ा गया हैः मावि‍क 3 मल्टी स्पेक्ट्रल उर्फ मविक 3एम। जैसा कि नाम से पता चलता है, मावि‍क 3 का यह संस्करण मल्टी स्पेक्ट्रल इमेजिंग सिस्टम से लैस है।

नवीनतम डीजेआई ड्रोन के बारे में अधिक जानकारी के लिए आगे पढ़ें।विस्तृत फसल विकास जानकारी प्राप्त करने की अपनी क्षमता के साथ, मावि‍क 3 एम सटीक कृषि में लगे किसानों और संगठनों के लिए अभिप्रेत है। लेकिन चूंकि यह डीजेआई के प्रमुख उपभोक्ता ड्रोन के डिजाइन पर आधारित है, मावि‍क 3 मल्टीस्पेक्ट्रल का वजन केवल 951 ग्राम है और इसे ₹कभी भी, कहीं भी₹ संचालन के लिए मोड़ना और एक साधारण बैग में फिट करना आसान है। वहीं, 43 मिनट तक की बैटरी लाइफ का मतलब है कि ड्रोन एक ही उड़ान में 2 वर्ग किमी तक के क्षेत्र को कवर कर सकता है।जब डेटा संग्रह की बात आती है, तो डीजेआई का नया ड्रोन उन सूचनाओं को इकट्ठा करने के लिए टू-इन-वन कैमरा सिस्टम का उपयोग करता है जिसका उपयोग किसान खेत में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं। सबसे पहले, एक RGB कैमरा है जो 4/3-इंच CMOS और 20MP इमेज सेंसर के साथ-साथ 1/2000 की अधिकतम गति के साथ एक यांत्रिक शटर से लैस है। और फिर एक चार-लेंस मल्टी स्पेक्ट्रल कैमरा है जो फसल की स्थिति की गहरी समझ प्रदान करता है, जो कि मानवीय आंखों का पता नहीं लगा सकता है।इन दो कैमरों के संयोजन से, डीजेआई मावि‍क 3 एम उच्च-परिशुद्धता हवाई सर्वेक्षण, फसल विकास निगरानी और प्राकृतिक संसाधन सर्वेक्षण जैसे अनुप्रयोग करने में सक्षम है। डीजेआई के अनुसार, ड्रोन के साथ ऐप-आधारित विशेषताएं जैसे स्वचालित क्षेत्र स्काउटिंग जो फसल असामान्यताओं का पता लगाती है और बुद्धिमान विश्लेषण करती है, एक व्यक्ति को 70 हेक्टेयर भूमि का प्रबंधन करने की अनुमति देनी चाहिए।यह भी ध्यान देने योग्य है कि डीजेआई मविक 3एम में सेंटीमीटर-स्तर की स्थिति के लिए आरटीके मॉड्यूल शामिल है। ड्रोन निर्माता बताते हैं कि प्रत्येक कैमरे के इमेजिंग केंद्र की स्थिति की जानकारी को सटीक रूप से प्राप्त करने के लिए विमान, उसके कैमरे और आरटीके मॉड्यूल को माइक्रोसेकंड स्तर पर सिंक्रनाइज़ किया जाता है। इसका मतलब है कि नया डीजेआई ड्रोन जमीनी नियंत्रण बिंदुओं के उपयोग के बिना सर्वेक्षण कर सकता है।इसके अलावा, मावि‍क 3 एम O3 वीडियो ट्रांसमिशन से लैस है, जो सिग्नल ट्रांसमिट करने के दो चैनलों और सिग्नल प्राप्त करने के चार चैनलों को एकीकृत करता है, और 15 किमी की अल्ट्रा-लॉन्ग ट्रांसमिशन दूरी का समर्थन करता है। और जैसा कि मावि‍क 3 ड्रोन से उम्मीद की जाती है, इसका मल्टीस्पेक्ट्रल पुनरावृत्ति भी सभी दिशाओं में बाधाओं का पता लगाने और उनसे बचने के लिए सर्वदिशात्मक बाधा संवेदन से लैस है।

नहीं लगता बच्चे का पढाई में मन तो माता पिता अपनाएं ये तरीका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 नवम्बर , बच्चे की पढ़ाई से लेकर स्वास्थ्य का पेरेंट्स को ही ध्यान रखना पड़ता है। हर माता-पिता यही चाहते हैं कि उनके बच्चे हर किसी क्षेत्र में अच्छी परफॉर्मेंस दें। लेकिन अच्छी परफॉर्मेंस देने के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज होती है फोकस। बड़े लोग फोकस के लिए मेडिटेशन और योग जैसी चीजें करते हैं लेकिन बच्चों के लिए यह सब चीजें थोड़ी मुश्किल हो सकती है। बच्चों को मेडिटेशन करना एक बोरिंग एक्टिविटी लगता है। ऐसे में यदि बच्चे पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पाते तो पेरेंट्स कुछ आसान तरीके अपनाकर उनका ध्यान बढ़ा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

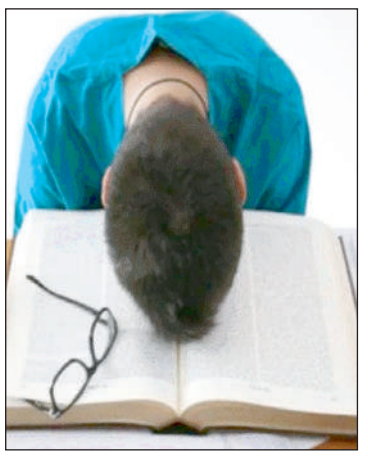

गोल करें सेट

आप बच्चों के लिए एक गोल सेट करें। इस गोल को उन्हें पूरा करने के लिए बोलें। अगर वह पूरा कर देते हैं तो आप उन्हें कोई ईनाम भी दे सकते हैं। इस तरीके से उनमें अपने लक्ष्य के प्रति जागरुकता फैलेगी। लेकिन इस दौरान उनका समय सिर्फ लक्ष्य में नहीं बल्कि एक्टिविटीज में लगाएं। इससे उनका काम पर फोकस भी बढ़ेगा।

कम कर दें स्क्रीन टाइम

बच्चे खेल-खेल में या फोन चलाते हुए पढ़ाई पर बिल्कुल ध्यान नहीं दे पाते। जिसके कारण उनका फोकस बिगड़ने लगता है। इसके कारण उनका दिमाग भी बहुत ही बुरी तरह प्रभावित होता है। आप बच्चों को इन चीजों से बचाने के लिए मोबाइल और टीवी आदि चीजों का स्क्रीन टाइम कम कर दें। फोन,टीवी जैसी चीजों के अलावा आप बच्चो को पुराने और दिमाग वाले गेम्स खिलवा सकते हैं।

बच्चे को करें ऑब्जर्ब

आप बच्चे से अलग होकर उन्हें ऑब्जर्ब जरुर करें। उनके एक्सप्रेशन नोट करें कि वह क्या सोचते हैं। इसके बाद इस चीज को जानने की कोशिश करें कि बच्चे का इंटरेस्ट किस चीज में है। उनके इंटरेस्ट के मुताबिक ही आप उन्हें चीजें करने के लिए कहें।

रोज दें काम

बच्चे को रोज कोई न कोई काम जरुर दें। इससे उन्हें उसे पूरा करने की इच्छा जागृत होगी और उनका दिमाग चीजों पर फोकस कर पाएगा। लेकिन काम आप उन्हें उम्र के हिसाब से ही दें। जैसे अगर आपका बच्चा छोटा है तो आप उसे किताबें और बैग अच्छे से सेट करने का काम दे सकते हैं।

काम को छोटे टुकड़ो में बांटे

अगर बच्चे पर काम का बहुत ही भोज है तो आप उसे हल्का करने के लिए उनकी सहायता जरुर करें। खासकर अगर कोई काम बड़ा है तो बच्चे को करने में कई तरह की मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में आप उन कामों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दें। ताकि बच्चे का दिमाग न भटके और किसी भी तरह का काम करने में बच्चे को ज्यादा प्रेशर महसूस न हो।

राष्ट्रपति मुर्मू का आठ दिसंबर को देहरादून दौरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 नवम्बर , राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आठ दिसंबर को दो दिवसीय दौरे पर देहरादून आ रही हैं। इस दौरान वह यहां द प्रेसीडेंट बॉडीगार्ड स्टेट स्थित 'आशियाना' में रात्रि विश्राम करेंगी। राष्ट्रपति आठ व नौ दिसंबर को देहरादून में रहेंगी। उनका प्रस्तावित कार्यक्रम शासन और संबंधित संस्थाओं को मिल चुका है।राष्ट्रपति मुर्मू आठ दिसंबर को देहरादून पहुंचेंगी। इसके बाद वह राजभवन जाएंगी। रात को वह आशियाना में विश्राम करेंगी। नौ दिसंबर को राष्ट्रपति पहले लाल बहादुर शास्त्री प्रशासनिक अकादमी मसूरी में भावी आईएएस अफसरों को संबोधित करेंगी।इसके बाद दिन में दून विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। सोमवार को राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर शासन स्तर पर तैयारियों की बैठक हुई। इसमें सुरक्षा से लेकर सभी व्यवस्थाएं पुख्ता करने के निर्देश दिए गए।दून विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह नौ दिसंबर को होगा। इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने बताया कि राष्ट्रपति के दौरे की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। बताया जा रहा है कि विवि के समारोह

में करीब 650 छात्र-छात्राओं को डिग्री दी जाएगी। वहीं करीब 36 को गोल्ड मेडल व 16 को पीएचडी अवॉर्ड मिलेंगे।

पौड़ी पुलिस ने कामकाजी महिलाओं को बताया "उत्तराखण्ड पुलिस एप" का फायदा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 30 नवम्बर , सरकारी/गैर सरकारी महिलाओं को एप में "गौरा शक्ति" की उपयोगिता बताते हुये Self Registration करने के लिए मित्र पुलिस की पौड़ी कप्तान और महिलाओं के मामले में बेहद संवेदनशीलता दिखाने वाली अनुभवी एसएसपी श्वेता चौबे ने विशेष प्रयास शुरू किया है। उनके नेतत्व में पौड़ी पुलिस टीम महिलाओं को जागरूक करते हुए इस एप के फायदे समझा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन विभव सैनी के नेतृत्व में जनपद के समस्त थानों की महिला हेल्प डेस्क में नियुक्त कार्मिकों द्वारा सरकारी/गैर सरकारी महिलाओं को उत्तराखंड पुलिस एप की सुविधाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुये गौरा शक्ति की उपयोगिता बताकर Self Registration करते हुये प्रभावी

कार्यवाहियाँ की जा रही है। महिलाओं और युवतियों को उत्तराखंड पुलिस एप डाउनलोड करा कर एप में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देते हुये अपने मोबाईल से ही घर बैठे लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। उत्तराखंड पुलिस एप में महिला सुरक्षा हेतु उपलब्ध गौरा शक्ति व बटन की सुविधा के बारे में जानकारी प्रदान करते हुये महिलाओं व युवतियों का गौरा शक्ति में Self Registration कराया जा रहा है।

Ideal Fighter : अभाव के अँधेरे से उगा गुरु राम राय का होनहार दिगंबर

- एसजीआरआर आदिबद्री के पूर्व छात्र ने दुबई में लहराया तिरंगा
- दून से दुबई ख़िताब तक का सफरनामा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 नवम्बर ,अगर मन में आसमान पाने की ललक हो तो हौसला चाहिए अगर हौसला आ जाए तो कामयाबी के हुनरमंद लीडर चाहिए पहाड़ के बेटे दिगंबर की आँखों में जो सपना पल रहा था उसको देश के सबसे बड़े शिक्षण केंद्र एसजीआरआर ने परखा और उस हुनरमंद खिलाडी के पंख को उड़ान दी जो अब मिसाल बन गया है। जी हाँ हम बात कर रहे हैं एसजीआर के पूर्व छात्र और उत्तराखंड के बेटे दिगंबर सिंह रावत की जिन्होंने संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मिक्सड मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप का खिताब जीत पूरे देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया है। दिगंबर सिंह रावत ने अपने लाइट वेट कैटेगरी में अपने प्रतिद्वंदी अकीब अली को बुरी तरह से हराया और जीत हासिल की। उनकी इस उपलब्धि से पूरे एसजीआरआर ग्रुप और चमोली जिले में खुशी की लहर है। एसजीआरआर पब्लिक स्कूल आदिबद्री के प्रधानाचार्य मुकेश कुंवरकी तो ख़ुशी उनकी आँखों में झलक रही थी जब उन्होंने ये खबर सबको साझा की। एसजीआरआर देहरादून की शाखाओं के छात्र छात्राओं ने साथी छात्र की सफलता पर खुशियां मनाई. एसजीआरआर एजुकेशन मिशन के चेयरमैन श्री महंत देवेंद्र दास जी महाराज ने दिगंबर को इस सफलता पर हार्दिक बधाई दी.आपको यहाँ ये भी बता दें, अंतरराष्ट्रीय मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप दुबई में आयोजित की गई।

जिसमें चमोली जिले के छोटे से गांव से निकले दिगंबर सिंह रावत ने अपना परचम लहराया है। दिगंबर ने 10वीं तक की पढ़ाई एसजीआरआर पब्लिक स्कूल आदिबद्री से और 12वीं की पढ़ाई एसजीआर आर पब्लिक स्कूल कर्णप्रयाग से पूरी की.आज प्रदेश उन्हें इस जीत पर बधाइयाँ दे रहा है।

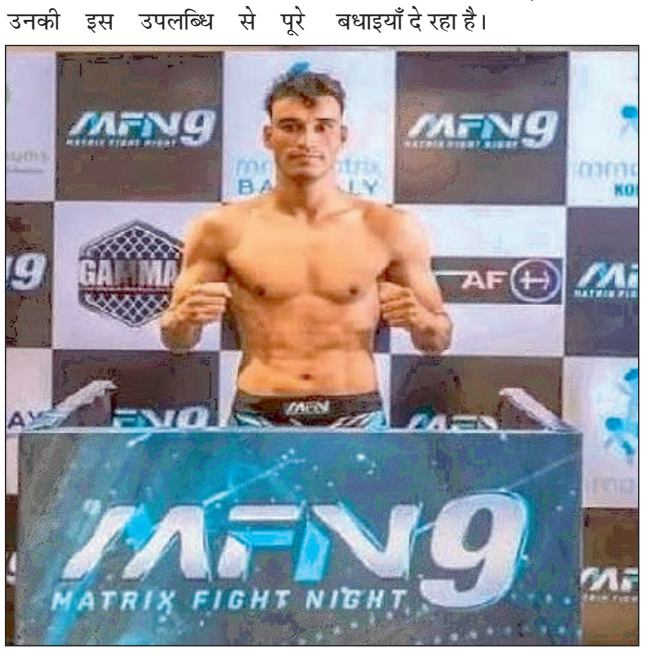

उत्तराखण्ड शासन
NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

अच्छे काम में व्यस्त
मानसिक रूप से स्वस्थ

मानसिक रोग वाले व्यक्ति उपचार और परिवार व दोस्तों के प्यार और सहारे की बदौलत सुकून भरा और उपयोगी जीवन जी सकते हैं।

पहचानें • स्वीकार करें • सहयोग करें

आपको कब डॉक्टर से सहायता लेनी चाहिए ?

- स्पष्ट रूप से सोचने और दैनिक कार्यकलापों को करने में कठिनाई
- बार-बार एवं अतार्किक (गलत) विचारों का आना
- आदत, मन (इच्छा) एवं एकाग्रता में अचानक परिवर्तन
- वैसी चीजों को देखना और सुनना जो आस-पास मौजूद नहीं हो
- आत्म हत्या का विचार बार-बार आना एवं आत्म हत्या से संबंधित आचरण करना
- क्रोध, भय, चिंता, अपराध बोध या उदासी या खुशी की लगातार अनुभूति
- डॉक्टर की सलाह के बिना औषधियों, शराब या तम्बाकू का अत्यधिक सेवन
- व्यक्ति के समग्र व्यक्तित्व में परिवर्तन
- सामाजिक मेल-जोल में परिवर्तन और व्यावसायिक कार्य में समस्याएं

उपरोक्त लक्षणों के दिखाई देने पर बिना किसी देरी के नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र या मनो-चिकित्सा विभाग में जाएं।

शराब/ड्रग्स का सेवन न करें

स्वास्थ्य संबंधी जानकारी/शिकायत हेतु हेल्पलाइन नं. 104 पर सम्पर्क करें

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

देश की आजादी एवं तराई की स्थापना में पंडित शुक्ल का अमूल्य योगदान : राज्यपाल

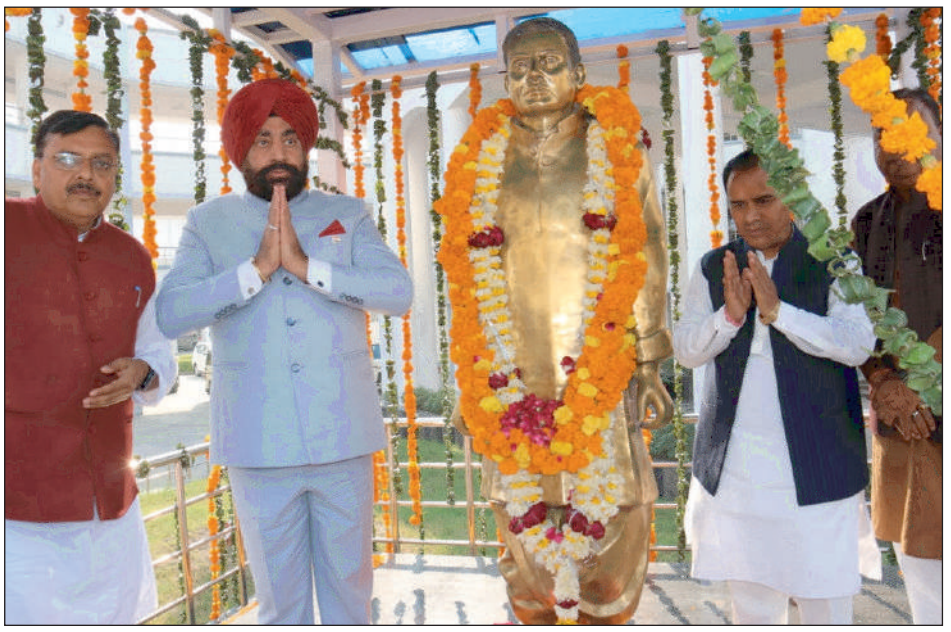

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 30 नवम्बर, आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पं.राम सुमेर शुक्ल स्मृति राजकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि तराई के संस्थापक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित राम सुमेर शुक्ल की स्मृति में आयोजित आजादी के अमृत महोत्सव में आप सब के बीच आकर बहुत प्रसन्नता हो रही है।

उन्होंने कहा कि देश की आजादी एवं तराई की स्थापना में पंडित शुक्ल के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। राज्यपाल ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित राम सुमेर शुक्ल को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आजादी का अमृतकाल चल रहा है, ऐसे समय में महापुरुषों को याद करने का ये जो आयोजन किया गया है, यह हमें महापुरूषों से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, समाज एवं देश के उत्थान एवं विकास में योगदान देने वाले व्यक्तियों को याद करने का कोई भी अवसर नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में बड़ी भूमिका निभाने वाले उन सेनानियों का स्मरण करना हम सब का कर्तव्य होना चाहिए ।राज्यपाल ने कहा कि हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। आने वाले 25 सालों का यह समय वैभवशाली और विकसित भारत का अमृत काल चल रहा है, इस अमृत काल के हमारे हर सपने महान और विशाल हों इस बात के लिए हमको हर स्तर पर कार्य करना है।

आज हम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, तराई को बसाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पंडित राम सुमेर शुक्ल जी को याद कर रहे हैं, जिन्होंने विस्थापन की त्रासदी का दंश झेल रहे लोगों की पीड़ा से उबारने, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को बसाने में बड़ा योगदान दिया है, ऐसे महान व्यक्तित्व के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि सड़कों, विद्यालयों और मेडिकल कालेजों के नाम रामसुमेर शुक्ल जी नाम पर किये गये हैं, ये उनके प्रति जनता के प्यार को दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि तराई का यह क्षेत्र जब आबाद हो रहा था, उस समय यहां का जीवन अत्यंत कठिन था, भयानक जंगल, खतरनाक जानवरों व खतरनाक जीवों से खतरे के बीच यहां के निवासियों ने जो चमत्कार किया है उन सब की मेहनत और लगन को आज भी याद करने की आवश्यकता है।

तराई क्षेत्र विकसित रूप ले रहा है, आज पंडित शुक्ल के नाम पर इस मेडिकल कॉलेज की स्थापना करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। यहां सिडकुल में उद्योगों की स्थापना, तराई तराई के लहलहाते खेत, पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय तथा अब यही पंतनगर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट की स्वीकृति व किच्छा में एम्स की स्वीकृति, काशीपुर में आईआईएम की स्थापना करके तराई को उन शहीदों व सेनानियों के सपनों के रूप में विकसित किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि भयानक जंगलों में ईश्वर पर भरोसा करके जो संघर्ष, लगन एवं परिश्रम किया है, ईश्वर ने उसका ऐसा परिणाम दिया है कि पूरी दुनिया में यह भूमि उदाहरण है। तराई क्षेत्र की वर्तमान स्थिति पूर्वजों की मेहनत का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि परिवार एवं समाज की एकता का जादू सबसे जरूरी है। समाज, राज्य एवं देशहित में क्या-क्या कर सकते हैं, इस पर मंथन करते हुए कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि देश में नई ऊर्जा संचार के साथ ही नई कार्य संस्कृति विकसित हो रही है। उन्होंने कहा कि देश को विकसित राष्ट्र एवं विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता।राज्यपाल ने तराई में आकर सबसे पहले बसने वाले 25 परिवारों के वंशजों से मिलने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा कि जिन विभूतियों को आज सम्मानित किया गया है, उनसे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले 7 व्यक्तियों कृषक चौधरी सतेन्द्र सिंह, थानाध्यक्ष कमलेश भट्ट, एएनएम दीपा जोशी, नानकमत्ता गुरूद्वारा प्रबन्धन कमेटी अध्यक्ष डॉ.हरबंस सिंह चुघ, उद्योगपति वी.कुमार जिन्दल, खिलाड़ी मनोज सरकार, सर्जन डॉ.अतुल जोशी को स्मृति चिन्ह एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ.धनसिंह रावत ने कहा कि रूद्रपुर मेडिकल कॉलेज का नाम पंडित शुक्ल के नाम करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में शीघ्र की एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू होगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि रुद्रपुर के विकास में शुक्ला जी की बहुत बड़ी भूमिका है। पं. शुक्ल के प्रति जनता का स्नेह, प्यार और कृतज्ञता भाव दिखाई देता है। सड़कों, विद्यालयों और मेडिकल कालेजों के नाम पं. शुक्ल शुक्ला जी के प्रति जनता का स्नेह, प्यार और कृतज्ञता भाव दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि शुक्ल जी ने राष्ट्रीय स्तर पर छात्र एवं युवा शक्ति को आजादी के आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने आजादी की लड़ाई के दौरान छात्र क्रांति का कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया, स्वतंत्रता के बाद शुक्ल जी के कार्यों को देखकर उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत में उन्हें नैनीताल जनपद की तराई को बसाने की जिम्मेदारी दी और कॉलोनाइजेशन कार्य का अध्यक्ष बनाया।

इस अवसर पर गुरूद्वारा प्रबन्धन कमेटी द्वारा सरोपा व कृपाण तथा पूर्व सैनिकों द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम से पहले राज्यपाल ने डीडी चौक स्थिति शुक्ल पार्क पहुॅचकर पंडित राम सुमेर शुक्ल की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस दौरान मेयर रामपाल सिंह, जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त, एसएसपी मन्जुनाथ टीसी, मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिन्दल, गुंजन सुखीजा सहित भारत भूषण चुघ, दिनेश शुक्ला, मनीष शुक्ला आदि उपस्थित थे।

उत्तराखंड में तेंदुए से मची खलबली, 6 दिन में तेंदुए के हमले में तीसरे बच्चे की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिछले छह दिनों में उत्तराखंड में तेंदुए के हमले में तीन बच्चों की जान जा चुकी है। ताजा हमला रविवार को हुआ था, जब टिहरी में एक 12 वर्षीय लड़के को तेंदुए ने मार डाला था। अल्मोड़ा जिले में 24 नवंबर को तेंदुए के हमले में नौ साल के एक बच्चे की मौत हो गई थी. 22 नवंबर को पौड़ी गढ़वाल में भी इसी तरह पांच साल के बच्चे की मौत हो गई थी।

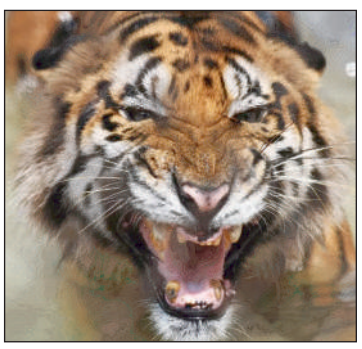

वन विभाग द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अब तक मानव-पशु संघर्ष में 50 लोगों की मौत हो चुकी है।हर साल, वन्यजीवों के हमलों की अधिकतम संख्या, अनुमानित 70% (वन विभाग के एक स्रोत के अनुसार लगभग 35 मौतें), तेंदुए के हमलों के कारण होती हैं। प्रत्येक मौत जंगलों के करीब गांवों में रहने वाले लोगों की कमजोरियों की याद दिलाती है। घटना मेकोट गांव में घटी, 12 वर्षीय अर्नव चंद अपने दोस्तों के साथ खेलने के लिए निकला था, लेकिन शाम को घर नहीं लौटा. जब उसके घबराए हुए माता-पिता और एक फ्रंटलाइन फ़ॉरेस्ट टीम ने खोज शुरू की, तो उन्हें जंगल में लड़के की क्षत-विक्षत लाश मिली।ग्रामीण अब चिंतित हैं कि तेंदुआ घूम रहा है और अन्य बच्चों या बुजुर्गों या विकलांग व्यक्तियों का शिकार करेगा। वन विभाग ने कैमरा ट्रैप और पिंजरा लगाकर अतिरिक्त बल तैनात किया है।टिहरी के मंडल वन अधिकारी (डीएफओ) वीके सिंह ने कहा, ₹तेंदुए को पकड़ने के लिए मुख्य वन्यजीव वार्डन से अनुमति मांगी गई है।₹ उसके घर के आंगन में दुबका एक तेंदुआ उस पर झपट पड़ा और उसे घसीटते हुए पास के जंगल में ले गया। इसी तरह 22 नवंबर की शाम पांच वर्षीय पीयूष को उसके दोस्तों के साथ खेलते समय तेंदुए ने मार डाला। ग्रामीणों ने बच्चे को बचाने की कोशिश की लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।वन विभाग ने दावा किया कि उसने घटना के दो दिन बाद तेंदुए को फंसा लिया था। इन घटनाओं पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि महिलाएं और बच्चे सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं, क्योंकि ज्यादातर तेंदुए के हमलों का शिकार वही होते हैं। दून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान के नवीनतम अनुमान के अनुसार, उत्तराखंड 800-1,200 तेंदुओं का घर है।पहाड़ी राज्य में, सर्दियों में तेंदुए के हमले बढ़ जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से न तो वन विभाग और न ही वन्यजीव विशेषज्ञ इसके पीछे के विशिष्ट कारण को स्थापित कर पाए हैं। हालांकि, इस तरह के हमलों के पीछे सामान्य कारणों में तेंदुओं का संभोग का मौसम, जो सर्दियों में होता है, ठंड के मौसम में घरों में और आसपास रोशनी की कमी और चारों ओर बिखरा हुआ कचरा बताया जाता है। पिछले हफ्ते, उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई की थी। राज्य में तेंदुए के हमले और सरकार से इस मुद्दे को तत्काल हल करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाने के लिए कहा।

आप ने विस भर्ती घोटाले पर राज्यपाल को ज्ञापन भेजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून आज आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा ।अधिक जानकारी देते हुए गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र सिंह आनंद ने बताया कि विधानसभा भर्ती घोटाले में एक पक्षीय कार्रवाई यानी सिर्फ नौकरी पाने वालों को दंडित करना न्याय नहीं है और आम आदमी पार्टी द्वारा महामहिम राज्यपाल से यह गुहार लगाई गई है कि वह नौकरी देने वाले उन सभी लोको को जो इस घोटाले में संलिप्त हैं एवं जिन नेताओं के नाम सामने आए हैं उन सब पर कार्रवाई किया जाना न्याय उचित है उन्होंने कहा की अवैध तरीके से नौकरी देना और नौकरी पाना दोनों ही अपराध है फिर ऐसे में एक पक्ष पर ही कार्रवाई क्यों ?उन्होंने महामहिम से आग्रह किया कि वे दोषियों पर शिकंजा कसते हुए उन्हें दंडित करने की कृपा करें जिससे न्याय हो सके एवं बेरोजगारों की पीठ में कुठाराघात करने वालों को भी सबक मिल सके । ज्ञापन सौंपने वालों में आम आदमी पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष उमा सिसोदिया, गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र सिंह आनंद, प्रदेश प्रवक्ता विपिन खन्ना महिला मोर्चा की प्रदेश महासचिव सीमा कश्यप ,पार्टी के वरिष्ठ नेता अभय दीपक धर्मपुर विधानसभा प्रभारी सुशील सैनी, सुशांत थापा, जिला मीडिया प्रभारी अक्षय शर्मा दीपक निमरानियां सहित कई अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

संपादकीय

महत्वपूर्ण अवसर

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-20 की अध्यक्षता भारत के लिए एक अहम मौका है. इसे रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत को वैश्विक हित पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए तथा देश की विविधता को विश्व के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए. इस समूह के सदस्य देशों के वरिष्ठ कूटनीतिकों के समक्ष भारत ने अपनी प्राथमिकताओं को रखा है, जिसमें डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, जलवायु संबंधी कार्यवाही, स्वच्छ ऊर्जा, सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति और बहुपक्षीय सुधार आदि आवश्यक विषय शामिल हैं. अंडमान एवं निकोबार द्वीप पर हुई इस बैठक में सदस्य देशों, अतिथि देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 40 राजदूत, उच्चायुक्त एवं प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया है. भारत के ओर से जी-20 अध्यक्षता के प्रभारी अमिताभ कांत ने इस अवसर पर बाली में दिये गये प्रधानमंत्री मोदी के वक्तव्य का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत की अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्योन्मुख होगी. आगामी एक दिसंबर से औपचारिक रूप से अध्यक्षता का एक वर्षीय कार्यकाल प्रारंभ हो रहा है. पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला जी-20 के मुख्य समन्वयक बनाये गये हैं. अगले साल के अंतिम हिस्से में जी-20 का शिखर सम्मेलन आयोजित किया जायेगा. इस एक साल में कई तरह की बैठकें होंगी, जिसमें सदस्य और अतिथि देशों के मंत्री, अधिकारी, उद्यमी, कारोबारी आदि भागीदारी करेंगे. बीते कुछ वर्षों से प्रधानमंत्री मोदी ने देश के अलग-अलग शहरों में राष्ट्राध्यक्षों एवं शासनाध्यक्षों का स्वागत करने की नवीन परंपरा का प्रारंभ किया है. मंत्रिस्तरीय बैठकें तथा बहुपक्षीय आयोजन भी अब अक्सर अन्य शहरों में होने लगे हैं. इस परंपरा से आयोजन स्थलों के विकास में तो सहायता मिलती ही है, साथ ही अन्य देशों से आये प्रतिनिधि भारत की व्यापकता, समृद्ध विरासत तथा सांस्कृतिक विविधता से भी परिचित होते हैं. जी-20 के आयोजनों को भी देश के कई शहरों में करने की योजना है, जिसकी एक अच्छी शुरुआत अंडमान से हुई है. दुनिया अनेक संकटों का सामना कर रही है. महामारी से उबरने के प्रयास हो ही रहे थे कि रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा और खाद्य संकट जैसी मुश्किलों को ला खड़ा किया है. अनेक देश गृहयुद्ध की चपेट में हैं, तो युद्ध की आशंकाएं भी हैं. जलवायु परिवर्तन की चुनौती मानवता के अस्तित्व के लिए ही प्रश्नचिन्ह बन चुकी है. कारोबारी संबंधों पर भू-राजनीतिक तनावों का घना साया है. ऐसी स्थिति में जी-20 समाधान की राह निकालने का प्रभावशाली मंच साबित हो सकता है.

क्या शराब मस्तिष्क की कोशिकाओं को मारती है? आइए जानते है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हम सभी ने यह सुना है, चाहे माता-पिता, शिक्षकों, या स्कूल के बाद विशेषः शराब मस्तिष्क कोशिकाओं को मारता है। लेकिन क्या इसमें कोई सच्चाई है? विशेषज्ञ ऐसा नहीं सोचते हैं।जबकि शराब पीने से आप निश्चित रूप से कार्य कर सकते हैं और महसूस कर सकते हैं जैसे कि आपने एक या दो मस्तिष्क कोशिका खो दी है, इसका कोई सबूत नहीं है कि यह वास्तव में होता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि शराब का आपके दिमाग पर कोई असर नहीं पड़ता है।

यहां देखें कि जब आप पीते हैं तो वास्तव में आपके दिमाग में क्या होता है।

अल्पकालिक प्रभाव

शराब एक न्यूरोटॉक्सिन है जो आपके मस्तिष्क की कोशिकाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर सकता है। यह तुरंत आपके रक्त प्रवाह में प्रवेश करता है और इसे पीने के पांच मिनट के भीतर आपके मस्तिष्क तक पहुंच जाता है। और कुछ प्रभावों को महसूस करने में आमतौर पर केवल 10 मिनट लगते हैं।

अल्पावधि में, आप उम्मीद कर सकते हैंः

मुश्किल से ध्यान दे खराब समन्वय*अस्पष्ट भाषण* आपके मूड और व्यवहार में बदलाव*भ्रम

दीर्घकालिक प्रभाव

शराब पीने से आपके मस्तिष्क पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है, जिसमें संज्ञानात्मक कार्य में कमी और स्मृति समस्याएं शामिल हैं।शराब मस्तिष्क की कोशिकाओं को नहीं मारती है, लेकिन इसका आपके मस्तिष्क पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रभाव पड़ता है, यहां तक कि मध्यम मात्रा में भी। महीने में कुछ रातें हैप्पी आवर के लिए बाहर जाने से संभवतः कोई दीर्घकालिक नुकसान नहीं होगा। लेकिन अगर आप खुद को अत्यधिक शराब पीते हुए या अक्सर शराब पीते हुए पाते हैं, तो मदद के लिए बाहर जाने पर विचार करें।

चार साल बाद फिर होगा गुलजार आशियाना

खूबसूरती की मिसाल है 170 एकड़ में फैला राष्ट्रपति का 'आशियाना'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 नवम्बर , चार साल के बाद राष्ट्रपति का देहरादून स्थित आशियाना फिर गुलजार होगा। इससे पहले वर्ष 2018 में यहां तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रात्रि विश्राम किया था। राजपुर रोड के द प्रेसीडेंट बॉडीगार्ड एस्टेट स्थित आशियाना राष्ट्रपति के शिमला स्थित आवास के विकल्प के तौर पर चुना गया था। शुरू में कई साल तक यह वीरान रहा।वर्ष 1998 में तत्कालीन राष्ट्रपति केआर नारायणन यहां ठहरे थे। इसके बाद वर्ष 2016 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी यहां ठहरे। फिर वर्ष 2018 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने यहां रात्रि विश्राम किया था। अब करीब चार साल बाद फिर आशियाना में रौनक दिखने लगी है। सफाई का सिलसिला तेज हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के रात्रि विश्राम के लिए पूरी तैयारियां चल रही हैं।द प्रेसीडेंट बॉडीगार्ड आशियाना में आम और लीची के बागीचों के

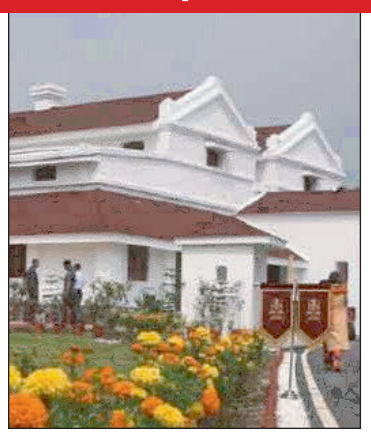

बीच प्राकृतिक सुंदरता देखते ही बनती है। इसमें नए लॉन, हेजेज, सजावटी पौधे, फूलों वाले वृक्ष और झाड़ियों का प्रयोग किया गया है। नहरों से सिंचाई की पुरानी व्यवस्था को भी यहां पुनर्जीवित किया गया है। 170 एकड़ भूमि में बने आशियाना में आठ कमरों के साथ सुरक्षाकर्मियों के रहने के लिए दो बैरक हैं। घोड़ों लिए एक अस्तबल है।भारतीय सेना की सबसे पुरानी रेजीमेंट प्रेसीडेंट बॉडीगार्ड की स्थापना वर्ष 1773 में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स ने की। वर्ष 1859 में इसे वायसराय बॉडीगार्ड नाम दिया गया जिसे बाद में द प्रेसीडेंट बॉडीगार्ड में तब्दील कर दिया गया। राष्ट्रपति के अंगरक्षकों की घोड़ा गाड़ी के लिए दून में पहली बार वर्ष 1938 में ग्रीष्मकालीन शिविर स्थापित किया गया। हालांकि, इससे पहले 1920 में यहां राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के कमांडेंट का बंगला स्थापित कर दिया गया था।आजादी के बाद करीब 175 एकड़ में फैला यह क्षेत्र द प्रेसीडेंट बॉडीगार्ड एस्टेट के रूप में जाना गया। दून की आबोहवा को देखते हुए हुए वर्ष 1975-76 में तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन ने ग्रीष्मकालीन दौरे के लिए दून का चुनाव किया। तब कमांडेंट बंगले का जीर्णोद्धार कर इसका नाम आशियाना रखा गया। तभी से राष्ट्रपति दून में इसी आवास में ठहरते थे।

राज्य की कानून व्यवस्था तार-तार हो गई : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखण्ड देवभूमि के बजाय अपराध भूमि बन चुकी है , ये गंभीर आरोप लगाया है नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने विधानसभा में नियम 310 की चर्चा जो नियम 58 में सुनी गई पर चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ समय से राज्य की कानून व्यवस्था तार-तार हो गई है ऐसा लग रहा है कि उत्तराखण्ड में कानून के राज्य के बजाय अपराधियों का राज्य चल रहा हो।

उन्होंने बताया कि , यदि गृह विभाग द्वारा प्रदान की गई सूचनाओं पर ही भरोसा कर लिया जाय तो 1 मार्च 2022 से लेकर 15 नवंबर 2022 तक याने 8 महिनों में राज्य में 139 हत्याऐं हुई है , 279 महिलाओं का अपहरण हुआ है और 554 से अधिक बालात्कार की घटनाऐं हुई हैं।

उनका आरोप था कि अब उत्तराखण्ड का गृह विभाग कमजोर तबके याने अनुसूचित जाति के लोगों के साथ हो रहे अपराधों की सूचना भी संग्रहित नहीं करता है। नेता प्रतिपक्ष ने आंकिता हत्याकांड , पिंकी हत्याकांड , जगदीश हत्याकांड सहित उधम सिंह नगर में हुई हाल की घटनाओं में हुई हत्याओं के उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि , माननीय अध्यक्ष जी विधानसभा का समय महत्वपूर्ण है यहां 8 महिनों में हुई 139 में से हर हत्या , 554 बालत्कारों और 279 महिलाओं के हुए अपहरणों की चर्चा नहीं की जा सकती है। इसलिए मैंने ये चार- पांच उदाहरण माननीय सदन के सामने रखे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हर मामले में या तो अपराधियों को सत्ता का संरक्षण था या फिर पुलिस की लापरवाही । और मामलों पर भी चर्चा करेंगे तो यही सब परिस्थितियां निकलेगी।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

1 दिसंबर से आएगा डिजिटल रुपया, आरबीआई लांच करेगा पायलट प्रोजेक्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

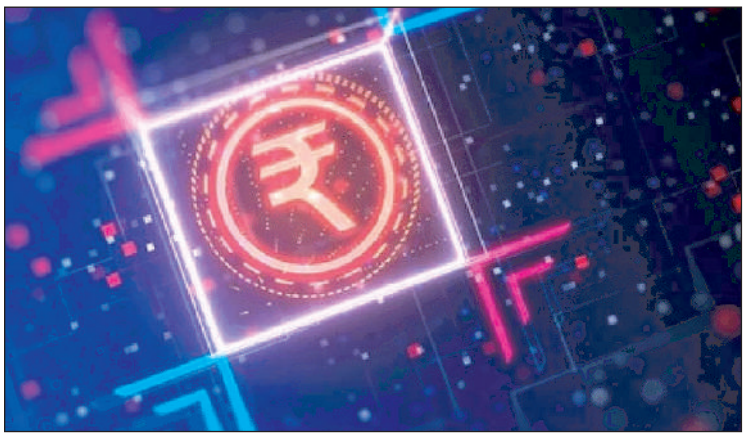

भारतीय रिज़र्व बैंक ने 29 नवंबर को घोषित किया कि खुदरा डिजिटल रुपये (e₹-R) के लिए पहला पायलट 01 दिसंबर, 2022 को लॉन्च किया जाएगा। पायलट ने बंद उपयोगकर्ता समूह (सीयूजी) में चुनिंदा स्थानों को कवर किया, जिसमें भाग लेने वाले ग्राहक और व्यापारी शामिल थे।इस पायलट में चरणबद्ध भागीदारी के लिए आठ बैंकों की पहचान की गई है, आरबीआई ने कहा कि पहला चरण चार बैंकों - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ देश भर के चार शहरों में शुरू होगा। चार और बैंक - बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक बाद में इस पायलट में शामिल होंगे, केंद्रीय बैंक द्वारा जारी एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है।₹पायलट शुरू में चार शहरों, मुंबई, नई दिल्ली, बेंगलुरु और भुवनेश्वर को कवर करेगा और बाद में अहमदाबाद, गंगटोक, गुवाहाटी, हैदराबाद, इंदौर, कोच्चि, लखनऊ, पटना और शिमला तक विस्तारित होगा। पायलट का दायरा धीरे-धीरे बढ़ाया जा सकता है। अधिक बैंकों, उपयोगकर्ताओं और स्थानों को आवश्यकतानुसार शामिल करने के लिए,₹ यह कहा।

आरबीआई ने कहा कि पायलट कार्यक्रम का उद्देश्य ₹वास्तविक समय में डिजिटल रुपये के निर्माण, वितरण और खुदरा उपयोग की पूरी प्रक्रिया की मजबूती का परीक्षण करना₹ है। इस पायलट से मिली सीख के आधार पर भविष्य के पायलटों में ई-आर टोकन और आर्किटेक्चर की विभिन्न विशेषताओं और अनुप्रयोगों का परीक्षण किया जाएगा।आरबीआई के अनुसार, e₹-R एक डिजिटल टोकन के रूप में होगा जो कानूनी निविदा का प्रतिनिधित्व करता है। यह उसी मूल्यवर्ग में जारी किया जाएगा जो वर्तमान में कागजी मुद्रा और सिक्के जारी किए जाते हैं, और बिचौलियों, यानी बैंकों के माध्यम से वितरित किए जाएंगे।आरबीआई ने कहा कि उपयोगकर्ता भाग लेने वाले बैंकों द्वारा पेश किए गए और मोबाइल फोन / उपकरणों पर संग्रहीत डिजिटल वॉलेट के माध्यम से ई-आर के साथ लेनदेन करने में सक्षम होंगे।₹लेन-देन व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) और व्यक्ति से व्यापारी (पी2एम) दोनों हो सकते हैं। व्यापारियों को भुगतान व्यापारी स्थानों पर प्रदर्शित क्यूआर कोड का उपयोग करके किया जा सकता है,₹ यह नोट किया।ई-आर भौतिक नकदी जैसे विश्वास, सुरक्षा और अंतिम निपटान जैसी सुविधाओं की पेशकश करेगा। जैसा कि नकदी के मामले में, यह कोई ब्याज अर्जित नहीं करेगा और इसे अन्य प्रकार के धन में परिवर्तित किया जा सकता है, जैसे कि बैंकों में जमा, आरबीआई ने आगे कहा।

सुप्रीम कोर्ट के पैनल ने वाइल्डलाइफ कॉरिडोर की 'ब्लैकटॉपिंग' बंद की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति ने सिफारिश की है कि कॉर्बेट और राजाजी बाघ अभयारण्यों के बीच एक महत्वपूर्ण वन्यजीव गलियारे से गुजरने वाली लालढांग-चिल्लरखाल सड़क के 4.7 किलोमीटर के हिस्से को उसकी प्राकृतिक अवस्था में बनाए रखने की आवश्यकता है।नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ ने कुछ समय पहले अपनी बैठक में उत्तराखंड के दो प्रमुख बाघ अभयारण्यों के बीच एकमात्र वन्यजीव गलियारे के माध्यम से कटने वाली सड़क को ₹ब्लैकटॉप₹ करने के लिए अपनी मंजूरी दे दी थी।

ऐसा आरोप है कि राज्य के एक पूर्व वन मंत्री के दबाव के बाद NBWL द्वारा ₹ब्लैकटॉपिंग₹ को आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई थी।सीईसी विशेषज्ञों ने अपने निवेदन में कहा कि सड़क के किनारे के पेड़ों को काटने की अनुमति भी नहीं दी जानी चाहिए। 2019 में सड़क के निर्माण के दौरान वन और वन्यजीव कानूनों के उल्लंघन के आरोपों के बाद 2019 में SC द्वारा वहां निर्माण गतिविधियों को रोक दिए जाने के बाद सड़क को लेकर मामला भड़क गया।'

सड़क निर्माण शीर्ष मांसाहारी और शाकाहारी प्रजातियों को प्रभावित करेगा'एडवोकेट गौरव बंसल ने इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में ले जाकर दावा किया कि सड़क निर्माण शीर्ष मांसाहारी और शाकाहारी प्रजातियों - बाघ और हाथी - को प्रभावित करेगा और उनके समग्र आवास और आंदोलन को भी प्रभावित करेगा।संयोग से, भारतीय वन्यजीव संस्थान के विशेषज्ञों सहित कई विशेषज्ञों ने 11 किमी सड़क के कई सर्वेक्षण किए ताकि यह पता लगाया जा सके कि वन्यजीव संरक्षण के मद्देनजर इस महत्वपूर्ण खंड का कितना किलोमीटर महत्वपूर्ण है।प्रारंभ में, विशेषज्ञों ने दावा किया कि 11 किमी के खंड में से 7 किमी वन्यजीवों के लिए महत्वपूर्ण था, और पुनर्मूल्यांकन किया गया था। तब दावा किया गया था कि 4 किमी महत्वपूर्ण था। आगे के आकलन ने इसे घटाकर 700 मी और उसके बाद 400 मी कर दिया।सीईसी ने यह भी सुझाव दिया है कि ₹सड़क में किए गए किसी भी प्रकार के काम को नष्ट कर दिया जाए और केवल 'कॉजवे' की अनुमति दी जाए।सीईसी ने आगे कहा कि ₹शाम 7 बजे से सुबह 7 बजे के बीच वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा और दिन के समय चलने वालों की गति 30 किमी/घंटा से अधिक नहीं हो सकती है।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण से प्रतिबंध लगाने को एडीएम के.के. मिश्रा के सख्त निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ **डीएम देहरादून सोनिका गंभीर नज़रिए से प्रशासन हरक़त में**

देहरादून 30 नवम्बर मा0 उच्च न्यायालय, नैनीताल उत्तराखण्ड मे योजित पी०आई०एल० जितेन्द्र यादव बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया एवं अन्य में पारित आदेश 24 नवम्बर 2022 के अनुपालन में जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका द्वारा अपर जिलाधिकारी को निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराने की दिशा निर्देश दिए।

जिसके क्रम में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) के.के.मिश्रा के अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में एक बैठक आहूत की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने मा0 उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के क्रम में सभी सेक्टर अधिकारियों को आदेशित किया कि वह अपने-2 क्षेत्रान्तर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण से प्रतिबंध लगायें तथा जनमानस को जागरूक करने हेतु प्रचार-प्रसार भी करें। साथ ही उल्लंघन किये जाने पर चालान की कार्यवाही भी करना सुनिश्चित करें। उन्होंने प्लास्टिंग वेस्ट मैनजमेंट रूल 2018 में वर्णित प्राविधानों का कड़ाई से पालन कराये जाने हेतु महाप्रबंधक उद्योग देहरादून एवं क्षेत्रीय अधिकारी (प्र0) उत्तराखण्ड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को आदेशित किया गया।

बैठक में पुलिस अधीक्षक (अपराध) मिथिलेश, क्षेत्रीय अधिकारी (प्र0) उत्तराखण्ड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी विकासनगर, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत देहरादून जिला पंचायत राज अधिकारी देहरादून, अधिशासी अधिकारी (विकासनगर सेलाकुई, हरबर्टपुर उपस्थित रहे एवं इसके अतिरिक्त सभी सैक्टर अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुडे.रहे।